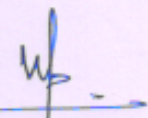


उक्त अर्थ में इन्हीं
अवकाशों में अस्थित दलों को
के अर्थ में पुनः गयी एवं उस पर
सर्व दिनांक गवा पत्रावली पर उपलब्ध
सर्व दिनांकों का अवलोकन किया गया।
जब मन एवं अवलोकन यह न्यायोचित
मार्ग ही होता है जहाँ का प्रार्थना
पत्र स्वीकार किया जाये क्योंकि जिन
खसरे पर जहाँ अजर्गी को
बाँध कटाना चाहता है वे खसरे
149, 150, 163 खाता संख्या 1
(0.09 है) (0.07 है) (0.35 है)
में दर्ज हैं एवं उनकी डिस्म में मु.
रालता है।

अतः न्यायिक में जहाँ का
प्रार्थना-पत्र अर्थात् खसरे का किया जाता
है। पत्रावली फॉर्म की जाकर नम्बर
से कम करते हुए दाखिल दफ्तर
की जाती है।


उप जिला कलेक्टर
चौथ का बरवाडा

